Batch – 2023-24

टिळक महाराष्ट्र विद्यापीठ, पुणे

एम्. ए. हिंदी (प्रथम वर्ष)

परीक्षा : दिसंबर – २०२३

सत्र – १

विषय : विशेष साहित्यकार – प्रेमचंद (भाग – १) (HC - 102)

दि.: २८/१२/२०२३ **कुल अंक : १००** **समय : प्रातः १०.०० से दो १.००**

सूचनाएँ : १) किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

२) सभी प्रश्नों के लिए समान (२०) अंक हैं।

प्र. १ प्रेमचंद जी की जीवनी को सविस्तार विशद कीजिए ।

प्र. २ 'गोदान' उपन्यास की कथावस्तु की विशेषताओं को स्पष्ट कीजिए ।

प्र. ३ 'गोदान' उपन्यास में चित्रित समस्याओं को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए ।

प्र. ४ 'गोदान' उपन्यास की चरित्र योजना पर प्रकाश डालिए ।

प्र. ५ 'गबन' उपन्यास की कथावस्तु की विशेषताओं को स्पष्ट कीजिए ।

प्र. ६ 'गबन' उपन्यास की मूल समस्या को स्पष्ट करते हुए, जालपा की चरित्रिक विशेषताओं को स्पष्ट कीजिए ।

प्र. ७ 'गबन' के चरित्रों की विशेषताओं को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए ।

प्र. ८ 'गबन' उपन्यास में चित्रित सामाजिक, राजनीतिक और आर्थिक क्षेत्र की समस्याओं और स्थितियों पर प्रकाश डालिए ।

प्र. ९ निम्नलिखित अवतरणों में से किन्हीं दो की स-संदर्भ व्याख्या कीजिए ।

१) घर के प्रानी रात-दिन मेहनत कर, दाने दाने को तरसते हैं, लत्ता भी पहनने को मयस्सर नहीं ।

२) तो तुम दिल इतना छोटा क्यों करते हो? धन के लिए, जो सारे पाप की जड़ है ?

३) तेरे लिए चंद्रहार तेरे ससुराल से आएगा !

४) जो बात जिंदगी भर नहीं की, वह अब आखिरी वक्त नहीं कर सकता ।

प्र.१० निम्नलिखित में से किन्हीं दो विषयों पर टिप्पणियाँ लिखिए।

१) होरी का चरित्र-चित्रण

२) 'गोदान' शीर्षक

३) 'रमानाथ' – चरित्र चित्रण

४) 'गबन' में चित्रित समाज ।